



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

PART II—Section 3—Sub-Section (ii)
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 254]

नई दिल्ली, शुक्रवार, मई 5, 1989/वैशाख 15, 1911

No. 254]

NEW DELHI, FRIDAY, MAY 5, 1989/VAISAKHA 15, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय
(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 5 मई, 1989

का.घा. 333 (घ).—स्वर्ण नियंत्रण अधिनियम, 1968 (1968 का 45) की धारा 31 के पहले परन्तुक के खंड (iii) धारा 8 की उपधारा (6) और धारा 9 की उपधारा (2) के साथ पठित धारा 115 की उपधारा (1) द्वारा प्रस्तुत शक्तियों का प्रयोग करते हुए और अधिसूचना सं. का.घा. 550 (घ), मारीख 8-6-1988 को अधिकांत करते हुए, निम्न बातों के संबंध में जो ऐसे अधिसूचना के पूर्व की गई या किए जाने से रह गई हैं, मैं के.के. मेडिकल, प्रशासक, इस राज्य का होते हुए, कि इसमें विनिर्दिष्ट वर्ग के मामलों की विधेय परिस्थितियाँ ऐसी अपेक्षा करती हैं।

- (i) भारत स्वर्ण खान लिमिटेड का या सो सीधे या भारत स्वर्ण खान लिमिटेड द्वारा इस निमित्त अधिकारों के रूप में नियुक्त किसी अनुज्ञापन व्योहारियों के माध्यम से या नई दिल्ली, कलकत्ता, मुम्बई और मद्रास स्थित भारतीय स्टेट बैंक की मुख्य शाखा के माध्यम से अनुज्ञापन व्योहारियों

या प्रमाणित स्वर्ण कार को मानक स्वर्ण गणकाओं के रूप में किसी प्राथमिक स्वर्ण का विक्रय, परिधान, अंतरण या अन्यथा व्ययन करने के लिए इस शर्त के अधीन रहते हुए प्राधिकृत करता हूँ कि अनुज्ञापन व्योहारियों की दशा में विक्रय प्रति दिन प्रति व्योहारियों स्वर्ण के एक किलोग्राम से अधिक नहीं होगा और प्रमाणित स्वर्णकार की दशा में स्वर्ण का विक्रय प्रति दिन स्वर्ण के एक सौ ग्राम से अधिक नहीं होगा ;

- (ii) ऐसे अनुज्ञापन व्योहारियों और प्रमाणित स्वर्णकारों को उक्त खंड (1) में विनिर्दिष्ट रूप में भारत स्वर्ण खान लिमिटेड द्वारा इस प्रकार विक्रय, परिधान, अंतरण किए गए या अन्यथा व्ययन किए गए प्राथमिक स्वर्ण का क्रय करने, उसे स्वीकार करने, प्राप्त करने या अन्यथा अर्जित करने के लिए प्राधिकृत करता हूँ ;

- (iii) ऐसे अनुज्ञापन व्योहारियों को इस प्रकार अर्जित प्राथमिक स्वर्ण को प्रमाणित स्वर्णकार को मानक स्वर्ण गणकाओं के रूप में विक्रय, परिधान, अंतरण या अन्यथा व्ययन करने के लिए अथवा मानक स्वर्ण गणकाओं का प्रमाणित स्वर्णकार या कारीगर को आभूषणों में मंथन करने के प्रयोग के लिए इस शर्त के साथ परिधान करने के लिए

कि पतनकर्ता इसे आभूषणों को गल्ला। खोदारी को वापस कर दिया जाए, प्राधिकृत करना है। और वही अनुमत खोदारी स्वर्णकार या कारीगर द्वारा उसका मानक लिए हुए आभूषणों का बिक्री परित्याग, अंतरण या आभूषण व्ययस भी कर सहेगा; और

- (iv) ऐसा अनुमत खोदारी प्राथमिक स्वर्ण का मानक स्वर्ण शलाकाओं के रूप में विप्रेक्ष परित्याग, अंतरण या अन्यथा व्ययस नहीं करेगा, ऐसा यह पूर्वोक्त खंड (i) में (iii) तक में अंतर्निहित उद्देश्यों के अनुसार ही करेगा, अन्यथा नहीं।

[अधिसूचना सं. 3/89 ग. सं. 131/20/85-जी सं.]

के. जे. रेड्डी, स्वर्ण निबंधन प्रशासक

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 5th May, 1989

S.O. 333(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 115 read with clause (iii) of the first proviso to section 31, sub-section (6) of section 8 and sub-section (2) of section 9, of the Gold Control Act, 1968 (45 of 1968) and in supersession of the notification No. S.O. 550(E) dated 8-6-1988 except in respect of things done or omitted to be done before such supersession, I, K.J. Reddy, Administrator, being of opinion that special circumstances of the class of cases specified herein so require, hereby authorise :—

- (i) The Bharat Gold Mines Limited to sell deliver, transfer or otherwise dispose of any primary gold in the form of standard gold bars to licensed dealers or certified

gold-smith either directly or through a licensed dealer appointed as an agent in this behalf by Bharat Gold Mines Limited or through the main branch of the State Bank of India at New, Delhi, Calcutta, Bombay and Madras; subject to the condition that in the case of licensed dealer the sale shall not exceed 1 kg. of gold per dealer per day and in the case of certified goldsmith the sale of gold shall not exceed one hundred grams of gold per day;

- (ii) Such licensed dealers and certified gold-smiths to buy, accept, receive or otherwise acquire the primary gold so sold, delivered, transferred or otherwise disposed of by Bharat Gold Mines Limited, as specified in clause (i) above;

- (iii) Such licensed dealers to sell, deliver, transfer or otherwise dispose of primary gold so acquired to a certified goldsmith in the form of standard gold bars or deliver the standard gold bars to a certified goldsmith or an artisan for the purpose of conversion into ornaments with a condition of subsequent return of such ornaments to the licensed dealer. Further, the same licensed dealer may also sell, deliver, transfer or otherwise dispose of ornaments, returned to him from the goldsmith or artisan to any other licensed dealer; and

- (iv) Such licensed dealer shall not, sell, deliver, transfer or otherwise dispose of the primary gold in the form of standard gold bars except in accordance with the provisions contained in the aforesaid clause (i) to (iii).

[Notification No. 3/89 F. No. 131/20/85-CC.]

K. J. REDDY, Gold Control Administrator